

### उद्देश्य (Objectives) :

- प्रत्येक चयनित जलग्रहण क्षेत्र में भूमि का संरक्षण करने के उपाय करना ताकि भू-क्षरण को कम करके कृषि उत्पादन व आमदनी में वृद्धि की जाए।
- जल संसाधनों के विकास के लाभ के लिए जल ग्रहण प्रबंधन, संरक्षण व प्रगति को बढ़ाना।
- जलग्रहण क्षेत्र में प्राकृतिक आपदाएँ जैसे – सूखा आदि की रोकथाम के लिए प्राकृतिक संसाधनों को बढ़ावा देना।
- जलग्रहण क्षेत्र के सामान्य आर्थिक विकास के संसाधनों एवं लाभान्वितों का स्तर बढ़ाना ताकि क्षेत्र में रहने वाले विभिन्न समाज के लोगों में असमानता कम हो सके।
- प्राकृतिक संसाधनों के सक्षम उपयोग के लिए जलग्रहण क्षेत्र के सामुदायिक संगठन को मजबूत बनाना ताकि विकास कार्यक्रमों को आगे बढ़ाया जा सके।
- रोजगार के अवसर उपलब्ध करवाना।

### प्रवेश योग्यता (Admission Eligibility) :

किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड से सीनियर सैकण्डरी या समकक्ष योग्यता।

अवधि (Duration)	:	न्यूनतम 1 वर्ष ; अधिकतम 4 वर्ष
माध्यम (Medium)	:	पाठ्य सामग्री केवल हिन्दी में उपलब्ध
श्रेयांक (Credit)	:	24
शुल्क (Fee)	:	रूपये 2000/- (रूपये दो हजार मात्र)
कार्यक्रम संरचना		

(Programme Structure): इस कार्यक्रम में निम्नांकित चार पाठ्यक्रम हैं :

क्र.सं. (S.No.)	पाठ्यक्रम का नाम (Name of Course)	पाठ्यक्रम कोड (Course Code)	श्रेयांक (Credit)
1.	जलग्रहण विकास-सिद्धान्त एवं रणनीति	डीडब्ल्यूएसएम-01	6
2.	जलग्रहण विकास गतिविधियाँ-आयोजन चरण	डीडब्ल्यूएसएम-02	6
3.	जलग्रहण विकास क्रियान्वयन चरण	डीडब्ल्यूएसएम-03	6
4.	जलग्रहण प्रबंधन एवं फील्ड वर्क	डीडब्ल्यूएसएम-04	6

### परीक्षा पद्धति (Examination Pattern) :

न्यूनतम अवधि अर्थात् 1 वर्ष बाद विद्यार्थी की प्रत्येक पाठ्यक्रम में तीन घंटे की लिखित सत्रांत परीक्षा आयोजित होगी। प्रत्येक पाठ्यक्रम 100 अंकों का होगा। उत्तीर्ण होने के लिए विद्यार्थी को प्रत्येक पाठ्यक्रम में 36 प्रतिशत अंक लाना अनिवार्य होगा।

सफल विद्यार्थियों को निम्न तालिका के अनुसार श्रेणी प्रदान की जाएगी-

प्रथम श्रेणी	–	60% एवं अधिक
द्वितीय श्रेणी	–	48% एवं 60% से कम
उत्तीर्ण	–	36% एवं 48% से कम

